>

Title: Situation arising out of acquisition of cultivable land of farmers by Government and Non-Government agencies in the country including Varanasi, Uttar Pradesh.

श्री रामकिशुन (चन्दौली): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया, मैं आपका आभारी हूं। भारत एक कृषि प्रधान देश है और भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार कृषि है। देश में कृषि का अहम योगदान है फिर भी हमारे देश में कृषि और किसानों की स्थिति अच्छी नहीं है। भले ही अब तक सरकारों ने कृषि क्षेत्र के विकास के लिए उपायों की झड़ी लगा दी हो, लेकिन वास्तविकता यही है कि कृषि विकास दर बढ़ने के बजाए 0.2 प्रतिशत घट रही है। लगातार बढ़ती आबादी और औद्योगीकरण के विस्तार के चलते कृषि योग्य जमीन घटने से यह संकट दिनों-दिन बढ़ रहा है। पिछले दो दशकों, खासकर उदारीकरण के दौरान आर्थिक सुधारों के नशे में कृषि क्षेत्र की जमकर उपेक्षा हुई है। आजादी के समय जहां देश की लगभग 70-75 प्रतिशत जनसंख्या की आजीविका खेती पर निर्भर थी, वह अब घटकर 52 प्रतिशत हो गई है। सचमुच अपने देश में कृषि परिदृश्य और अन्य उत्पादन प्राकृतिक आपदा से निपटने में सक्षम हैं फिर भी 26 करोड़ आबादी एक वक्त भूखे सोने पर मजबूर है।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि भारत के पास दुनिया की कुल 2.4 प्रतिशत जमीन है जबकि दुनिया की आबादी का करीब 18 प्रतिशत हिस्सा आबादी भारत में रहती है। हमारे यहां प्रति व्यक्ति 0.3 हेक्टेयर कृषि भूमि है जबकि विकसित देशों में यह आंकड़ा 11 हेक्टेयर प्रति व्यक्ति है। सूखा और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं का प्रकोप भारत में ज्यादा होता है। जलवायु परिवर्तन जैसी चीजों से हमारी हालत खराब हो रही है। अधिक औद्योगीकरण और विशेष इकोनॉमिक ज़ोन अन्य बहुत से अनुपयुक्त कार्यों हेतु भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश का वाराणसी, जो देश की सांस्कृतिक और धार्मिक राजधानी है, उसके आसपास के किसानों की उपजाऊ दो-तीन फसली बेशकीमती जमीनों का औने-पौने दाम पर लगातार अधिग्रहण हो रहा है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब आप समाप्त कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : श्री राजेन्द्र अग्रवाल जी, आप बोलिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री रामकिशुन (चन्दौली): मैं आपसे कहना चाहता हूं कि ट्रांसपोर्ट नगर, मोहन सराय के करनाड़ाणी, मिलकीचक के किसानों की 214 एकड़ जमीन प्रभावित हो रही है। यहां के किसानों का लगातार धरना और प्रदर्शन हो रहा है।

17.59 hrs.

(Shri Francisco Cosme Sardinha in the Chair)

यह हालत है कि सथवां सीवर ट्रीटमैंट प्लांट के नाम पर आधे से ज्यादा गांवों के किसानों की 100 एकड़ जमीन ली जा रही है। यही हालत विकास प्राधिकरण, वाराणसी की है। आवासीय कालोनी के नाम पर वाराणसी के आसपास के लगभग 400 किसानों की जमीन ली जा रही है। ...(व्यवधान) इसलिए लगातार देश के किसानों की जो जमीन अधिग्रहण की जा रही है, उससे कृषि क्षेत्र घटता जा रहा है। कृषि पैदावार घट रही है।

मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि भूमि अधिग्रहण का संशोधन कानून जो सरकार लाने जा रही है, उसे जल्दी लाए।

18.00 hrs.

देश में किसानों की जमीन का जो लगातार अधिग्रहण हो रहा है, उसे रोका जाए। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूं।

MR. CHAIRMAN: Is it the pleasure of the House to extend its time till 'Zero Hour' is over?

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes Sir.

MR. CHAIRMAN: The time of the House is extended till 'Zero Hour' is over.